I/958157/2024

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
(श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार)
EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION
(Ministry of Labour & Employement, Govt. of India)

सत्यमेव जयते

उप क्षेत्रीय कार्यालय,ठाणे
प्लॉट: ए-12/1, एम आई डी सी, एल बी एस मार्ग,
वागले इस्टेट डाकघर के पास, ठाणे (प.), महाराष्ट्र-400604
Sub Regional Office, Thane
Plot No.-A-12/1, MIDC, LBS Marg, Next to Wagle Estate
Post Office, Thane(W), Maharashtra-400604
Telephone- 022-69074700 to 799, Fax-25806131
Email: dir-thane@esic.gov.in, Website: esic.gov.in

फा.सं.-ओ.एल.-34-संसदीय राजभाषा निरीक्षण समिति-2023 दिनांक 04-01-2024

परिपत्र

विषय: **उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में दिनांक 28.12.2023 को आयोजित राजभाषा सम्मेलन की रिपोर्ट के प्रेषण के संबंध में।**

उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में दिनांक 28.12.2023 (गुरुवार) को उप निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन की रिपोर्ट आपको सूचना एवं आवश्यक कार्रवाइ हेतु प्रेषित है।

अनुलग्नक:- उपर्युक्तानसार

Signed by
Geetanjali Antil
Date: 05-01-2024 10:58:06
(गीतांजलि अंतिल)
सहायक निदेशक (रा.भा.)
कृते उप निदेशक (प्रभारी)

सेवा में,

1. महानिदेशक (राजभाषा), क.राबी. निगम, पंचदीप भवन, सी.आई.जी. मार्ग, नई दिल्ली
2. सभी अधिकारी, उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे
3. सभी शाखाएं, उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे
4. शाखा प्रबंधक, शाखा कार्यालय/औषधालय सह शाखा कार्यालय, उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे
5. आई.सी.टी. शाखा को वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।

क.रा.बी. निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति द्वारा दिनांक 13-09-2023 को उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे के राजभाषा संबंधी निरीक्षण के समय उप निदेशक (प्रभारी), उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे द्वारा कुछ आश्वासनों दिए गए थे जिनके संबंध में संसदीय राजभाषा समिति, नई दिल्ली कार्यालय से प्राप्त पत्र दिनांक 22-09-2023 के अनुसार राजभाषा सम्मेलनों/समारोहों का आयोजन कार्यालय स्तर पर भी किया जाना था। इस आश्वासन को पूरा करने के लिए उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे के स्तर पर दिनांक 28.12.2023 (गुरुवार) को उप निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया।

सम्मेलन में अतिथि वक्ता के रूप में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से श्रीमती सुनीता भुजबल, सहायक निदेशक (रा.भा.) को आमंत्रित किया गया था।

दीप प्रज्ज्वलन तथा मंचासीन अधिकारियों के स्वागत से सम्मेलन का आरंभ हुआ। श्रीमती प्रबिशा बालन ने मंच संचालन करते हुए एक पीपीटी के माध्यम से कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला।

श्रीमती गीतांजलि अंतिल, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने संघ की राजभाषा नीति का परिचय देते हुए भारतीय भाषाओं के आपसी समन्वय पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 351 में हिंदी के विकास के लिए निदेश दिए गए हैं, जिसमें आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भारतीय भाषाओं के रूप, पद आदि को आत्मसात् करते हुए हिंदी का विकास करना है। हिंदी हमारे देश की प्रमुख संपर्क भाषा है, जिसमें अन्य भारतीय भाषाओं की तरह ही संस्कृत शब्दों की बहुलता है, इसलिए हिंदी अंग्रेजी से अधिक हमारी भाषाओं के निकट है। हिंदी के विकास से अन्य भारतीय भाषाएं भी स्मृद्ध होती हैं। सरकारी स्तर पर भी हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के विकास के लिए गहन प्रयास किए जा रहे हैं। इसलिए हमें खुले मन से हिंदी को अपनाना चाहिए।

तत्पश्चात अतिथि वक्ता श्री अभिनव प्रकाश, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने हिंदी के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर लघु व्याख्यान के माध्यम से आधुनिक तकनीक के साथ विकसित होती और बेचारी हिंदी से सशक्त हिंदी में परिवर्तित होती हिंदी पर प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी में काम करने के लिए विभिन्न तकनीकी टूल्स पर चर्चा की और बताया कि तकनीक के साथ हिंदी ने बहुत तेजी से प्रगति की है और हिंदी में काम करना अब बहुत आसान हो गया है। उन्होंने अनुवाद टूल्स पर चर्चा करते हुए बताया कि किसी भी पत्र आदि को अनुवाद के लिए राजभाषा शाखा को भेजने की बजाय हम स्वयं भी हिंदी में पूरी सटीकता के साथ हिंदी

में मूल रूप से काम कर सकते हैं। इससे अति आवश्यक कार्य भी समय पर हिंदी में किए जा सकते हैं।

श्री सुशील कुमार, उप निदेशक ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग पर चर्चा करते हुए कहा कि आजादी के बाद से स्वाभाविक रूप से अगर कोई भाषा राजभाषा बन सकती थी तो वह हिंदी ही है। किंतु किसी भी भाषा को बढ़ाने के लिए यदि कोई समारोह या सम्मेलन करना पड़े तो यह भाषा की नहीं बल्कि हमारी दयनीय स्थिति है। हमें अपनी भाषाओं के प्रति राष्ट्रीय गौरव की भावना का विकास करना होगा। इसमें हमारे व्यक्तिगत प्रयास बहुत मायने रखते हैं और हम सभी को यह प्रयास अवश्य करना चाहिए। इसलिए उन्होंने कर्मचारियों से हिंदी में काम करने की अपील करते हुए कहा कि आप छोटे स्तर से ही शुरूआत कीजिए। चाहे एक पत्र या एक नोटिंग हो लेकिन रोज हिंदी में कुछ ना कुछ काम अवश्य करें।

तत्पश्चात कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से आमंत्रित मुख्य अतिथि वक्ता श्रीमती सुनीता भुजबल, सहायक निदेशक (रा.भा.), ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि हिंदी में काम न करने के पीछे कार्मिकों में कई गलत धारणाएं और झिझक होती है कि वे सही शब्द लिख रहे हैं कि नहीं या उनसे कोई गलती न हो जाए। ऐसे में तिमाही बैठकों और हिंदी कार्यशालाओं के माध्यम से झिझक दूर करने का प्रयास किया जाता है। कई बार समस्याएं सही जानकारी तथा ज्ञान के अभाव की होती हैं। इसके लिए भी हिंदी शिक्षण योजना के माध्यम से कार्मिकों को हिंदी भाषा के विभिन्न स्तरों का तथा हिंदी टंकण तथा हिंदी आशुलिपि का निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि ज्ञान तथा जानकारी के अभाव को दूर किया जा सके। साथ ही साथ, विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से कार्मिकों को हिंदी में काम करने के लिए प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भाव के जरिए प्रेरित किया जाता है। हिंदी में काम करना हमारा संवैधानिक दायित्व है और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रीय ज्ञान, राष्ट्रीय गीत आदि की तरह हमें अपनी राष्ट्रीय राजभाषा के प्रति गौरव की भावना अपनानी चाहिए। उन्होंने हिंदी प्रयोग में अपेक्षित इच्छाशक्ति का महत्व रेखांकित किया।

अंत में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कार्यालय प्रमुख श्री सुधाकर सिंह, उप निदेशक (प्रभारी) महोदय ने राजभाषा नीति, उसकी आवश्यकता, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से हिंदी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि संसदीय राजभाषा समिति का यह बहुत अच्छा प्रयास है कि कार्यालयों का निरीक्षण करते समय उन्हें कार्यालय स्तर पर भी इस तरह के आयोजन करने के निर्देश दिए हैं ताकि सभी कार्मिकों को हिंदी के प्रयोग के प्रति प्रेरित किया जा सके। इसी कड़ी में इस आयोजन में हमने हिंदी के विद्वानों को आमंत्रित किया है तथा सभी ने हिंदी की संवैधानिक स्थिति, सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी तथा

राजभाषा में काम करने आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की है। इससे निश्चित ही आप सभी को लाभ हुआ होगा।

हिंदी भाषा ने स्वतंत्रता आन्दोलन के मुश्किल दिनों में देश को एकता के सूत्र में बाँधने का अभूतपूर्व कार्य किया है और आज भी हिंदी की किसी अन्य भाषा से प्रतिद्वंद्विता नहीं है। हमारी सभी भारतीय भाषाएँ और बोलियाँ हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। हमारे लिए हिंदी का प्रश्न सिर्फ एक भाषा का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्वाभिमान व सांस्कृतिक गौरव का विषय है।

साथ ही, हमारे निगम के जो लक्ष्य हैं कि हम अपने शाखा कार्यालयों/डीसीबीओ के माध्यम से अपने आईपी को सभी सुविधाएं उनकी भाषा में नहीं तो कम से कम भारत की सबसे सामान्य भाषा में उपलब्ध करा सकें, जो हिंदी ही है। इसलिए अगर हम कार्यालय में भी यदि अधिक से अधिक प्रयोग हिंदी का करते हैं, तो वह अंग्रेजी के बजाय ज्यादा सुविधाजनक है। आज की तारीख में मोबाइल फोन से लेकर कंप्यूटर, इंटरनेट, चैट जीपीटी, तरह-तरह के ट्रांस्लेशन टूल्स हिंदी के प्रयोग को बहुत आसान बना देते हैं। यह बिल्कुल भी आवश्यक नहीं है कि हम सुसंस्कृत हिंदी का प्रयोग करें बल्कि समझ में आने लायक हिंदी से भी हम अपना कार्यालयी कामकाज आराम से कर सकते हैं और भारत सरकार की नीति भी यही कहती है कि आप बोलचाल की सरल हिंदी को अपने कामकाज की शैली बनाइए। इसलिए मेरा सबसे यही अनुरोध है कि अपने रूटीन कामकाज में हिंदी का प्रयोग करें और मातृभाषा के साथ-साथ अपनी देश की राजभाषा का भी सम्मान बढ़ाइए।

उन्होंने कार्यालय में हिंदी में काम करने में हरसंभव सहयोग एवं मार्गदर्शन देने का आश्वासन देते हुए कर्मचारियों से स्वत: प्रेरणा से हिंदी में काम करने की अपील की।

उक्त सम्मेलन में श्री प्रदीप नारायण जयभाये, उप निदेशक, श्री धीरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक सहित कार्यालय के सभी शाखा अधीक्षक, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, कर्मचारी तथा शाखा कार्यालयों और औषधालयों सह शाखा कार्यालयों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।

श्री धीरेंद्र कुमार, सहायक निदेशक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

-*-*-*-

समारोह की कुछ झलकियां

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
राजभाषा सम्मेलन
E S I C

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
राजभाषा सम्मेलन
E S I C

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
राजभाषा सम्मेलन
E S I C

कर्मचारी राज्य बीमा निगम
राजभाषा सम्मेलन
E S I C

स्थानीय समाचारपत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट

नवभारत

भारतीय भाषाओं के आपसी समन्वय पर हुई अतिथियों ने की चर्चा

ठाणे में राजभाषा सम्मेलन आयोजित

ठाणे, क.रा.बी. निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में उप निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में कार्यालय स्तर पर राजभाषा सम्मेलन आयोजित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन तथा मंचासीन अधिकारियों के स्वागत से सम्मेलन का आरंभ हुआ. प्रबिशा बालन ने मंच संचालन करते हुए एक पीपीटी के माध्यम से कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला. तत्पश्चात गीतांजलि अंतिल, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने संघ की राजभाषा नीति का परिचय देते हुए भारतीय भाषाओं के आपसी समन्वय पर चर्चा की. उक्त सम्मेलन में अतिथि वक्ता अभिनव प्रकाश, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने हिंदी के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर लघु व्याख्यान के माध्यम से आधुनिक तकनीक के साथ विकसित होती और बेचारी हिंदी से

सशक्त हिंदी में परिवर्तित होती हिंदी पर प्रकाश डाला. वहीं सुशील कुमार, उप निदेशक ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग पर चर्चा करते हुए व्यक्तिगत प्रयासों का महत्व समझाया और कर्मचारियों से हिंदी में काम करने की अपील की. तत्पश्चात कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से आमंत्रित मुख्य अतिथि वक्ता सुनीता भुजबल, सहायक निदेशक (रा.भा.), ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यालय में हिंदी प्रयोग में अपेक्षित इच्छाशक्ति का महत्व रेखांकित किया.

हिंदी में काम करने की अपील

उक्त सम्मेलन के अंत में अध्यक्षीय संबोधन में कार्यालय प्रमुख सुधाकर सिंह, उप निदेशक (प्रभारी) ने राजभाषा नीति, उसकी आवश्यकता, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से हिंदी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की. उन्होंने कार्यालय में हिंदी में काम करने में हरसंभव सहयोग एवं मार्गदर्शन देने का आश्वासन देते हुए कर्मचारियों से स्वतः प्रेरणा से हिंदी में काम करने की अपील की. इस मौके पर प्रदीप नारायण जयभाये, धीरेंद्र कुमार सहित कार्यालय के सभी शाखा अधीक्षक, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, कर्मचारी आदि उपस्थित थे.

Thane Edition
01-January-2024 Page No.
epaper.navbharat.com

बेचारी हिंदी से सशक्त हिंदी में परिवर्तित होती हिंदी पर प्रकाश डाला

राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

■ **ठाणे,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. क.रा.बी. मंडल के उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में उप निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में कार्यालय स्तर पर राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया. प्रबिशा बालन ने मंच संचालन करते हुए एक पीपीटी के माध्यम से कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला. गीतांजलि अंतिल, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने संघ की राजभाषा नीति का परिचय देते हुए भारतीय भाषाओं के आपसी समन्वय पर चर्चा की. अभिनव प्रकाश ने हिंदी के विकास में सूचना प्रौद्योगिकी विषय पर लघु व्याख्यान

के माध्यम से आधुनिक तकनीक के साथ विकसित होती और बेचारी हिंदी से सशक्त हिंदी में परिवर्तित होती हिंदी पर प्रकाश डाला. उप निदेशक सुशील कुमार ने कार्यालय में हिंदी के प्रयोग पर चर्चा करते हुए हिंदी में काम करने की अपील की. कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से आमंत्रित मुख्य अतिथि वक्ता सुनीता भुजबल ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा अध्यक्षीय संबोधन में कार्यालय प्रमुख सुधाकर सिंह, उप निदेशक (प्रभारी) ने राजभाषा नीति, उसकी आवश्यकता, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से हिंदी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा की.

प्रातःकाल
Mumbai Edition | 2023-12-31 | Page- 5
epaper.pratahkal.com

ठाणे में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन

मुंबई (प्रा.सं)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम के उप क्षेत्रीय कार्यालय, ठाणे में राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रबिशा बालन ने संचालन करते हुए कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति पर प्रकाश डाला। गीतांजलि अंतिल, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने भारतीय भाषाओं के आपसी समन्वय पर चर्चा की। अतिथि वक्ता अभिनव प्रकाश, सहायक निदेशक (रा.भा.) ने आधुनिक तकनीक के साथ सशक्त होती हिंदी पर प्रकाश डाला। सुशील कुमार, उप निदेशक ने व्यक्तिगत प्रयासों का महत्व समझाया और कर्मचारियों से हिंदी में काम करने की अपील की। मुख्य अतिथि वक्ता सुनीता भुजबल, सहायक निदेशक (रा.भा.), ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तृत चर्चा की। अंत में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कार्यालय प्रमुख सुधाकर सिंह, उप निदेशक (प्रभारी) ने राजभाषा नीति, उसकी आवश्यकता, सम्मेलनों, कार्यशालाओं आदि के माध्यम से हिंदी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने पर चर्चा की। कार्यक्रम में प्रदीप नारायण जयभाये (उप निदेशक), धीरेंद्र कुमार (सहायक निदेशक) सहित सभी शाखा अधीक्षक, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी, कर्मचारी तथा शाखा कार्यालयों और औषधालयों सह शाखा कार्यालयों के शाखा प्रबंधक उपस्थित थे।